सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-263
14/06/2017

देश का विकास बिहार के विकास के बिना और बिहार का विकास मिथिला के विकास के बिना संभव नहीं :– मुख्यमंत्री

पटना, 14 जून 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज डी0एम0सी0एच0 ऑडिटोरियम दरभंगा में आयोजित कार्यक्रम में 229.12 करोड़ रूपये की 30 योजनाओं का लोकार्पण एवं 19 योजनाओं का रिमोट बटन दबाकर शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुये कहा कि मैं सबसे पहले मिथिलावासियों का अभिनंदन करता हूँ। यह रमजान का पवित्र महीना है और इस अवसर पर मैं आप लोगों को अपनी शुभकामनायें देता हूँ। उन्होंने कहा कि मैं दरभंगा आते रहता हूँ। आज फिर आपके बीच आने का अवसर मिला है। दरभंगा बिहार का प्रमुख स्थल है। प्रारंभ से ही मेरी दृढ़ राय है कि देश का विकास बिहार के विकास के बिना और बिहार का विकास मिथिला के विकास के बिना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार न्याय के साथ विकास का अवलंबन करते हुये कार्य कर रही है। न्याय के साथ विकास का मतलब है, पूरे सूबे एवं समाज के हर तबके का विकास। हम मिथिला के विकास के लिये सदैव प्रयत्नशील रहे हैं। चाहे यहाँ पुल/पुलिया, स्वास्थ्य के क्षेत्र के विकास की बात हो, सड़क निर्माण, कल्याण, शिक्षा की बात हो, हर क्षेत्र में मिथिला के विकास के लिये प्रयत्नशील रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज मुझे बेहद खुशी हो रही है कि आपके बीच उपस्थित हुआ हूँ। मेरा काम लोगों के बीच जाना है, लोगों के बीच जाते हैं, उससे सही स्थिति की जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की भी खुशी है कि आज मुझे 229 करोड़ रूपये की 30 योजनाओं का उद्घाटन एवं 19 योजनाओं के शिलान्यास करने का अवसर मिला है। इसके लिये उन्होंने दरभंगावासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज दरभंगा बाईपास बनकर तैयार हो गया और आज वह आपको समर्पित हो गया। उन्होंने कहा कि 2012 में जब इस योजना का शिलान्यास हुआ था तो इसका एलायनमेंट क्या होगा, इस पर काफी विमर्श हुआ था और तब जाकर इसका समाधान निकला था। उन्होंने कहा कि आज जिला योजना भवन, स्वास्थ्य से संबंधित अनेक योजनायें, प्रेस क्लब, पंचायत सरकार भवन का उद्घाटन हुआ है। मुझे खुशी है कि मेरे सात निश्चय के अन्तर्गत नर्सिंग कॉलेज भवन का भी शिलान्यास हुआ है। इसके साथ ही डॉ0 भीम राव अंबेडकर छात्रावास, जननायक कर्पूरी ठाकुर छात्रावास तथा प्रेक्षागृह का भी आज शिलान्यास कराया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दरभंगा कला एवं संस्कृति की भूमि रही है। यहाँ अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण प्रेक्षागृह होना चाहिये ताकि कलाकारों को ऐसा स्थल मिले, जहाँ वे अपनी कला का मंचन कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अलीपुर में ग्रीड पावर सब स्टेशन का भी शिलान्यास हुआ है। उसके बन जाने के बाद न केवल बिजली आपूर्ति में सुधार होगा बल्कि बिजली की गुणवता में भी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि आज हर क्षेत्र की योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास हुआ है और यह चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि हम जो कहते हैं, वह करते हैं। बहुत लोग सिर्फ कहते हैं और वोट पाने के बाद भूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि हम कहते

कम है किन्तु जो कहते हैं, वह करके दिखाते हैं और जब तक कर नहीं लेते, तब तक चैन से नहीं बैठते।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 जुलाई 2015 को पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में जीविका समूह के कार्यक्रम में मैं अपना भाषण समाप्त कर जैसे ही बैठा था कि पीछे से महिलाओं ने आवाज दी शराबबंदी लागू कीजिये। मैंने पुनः माइक पर आकर कहा कि अगली बार सता में आऊँगा तो इसे लागू करूँगा। आपलोगों ने मुझे मौका दिया तो पूर्ण शराबबंदी लागू कर दी गयी। पूरे बिहार में जबर्दस्त अभियान चलाकर इसे लागू किया गया। एक करोड़ 19 लाख लोगों ने अपने बच्चों के माध्यम से शपथ पत्र भरा कि वे शराब नहीं पीयेंगे। नौ लाख जगहों पर नारे लिखे गये। हजारों जगहों पर नुक्कड़–नाटक का आयोजन किया गया। फिर पूरे बिहार में प्रमण्डल स्तर पर कार्यक्रम किये गये। इसी क्रम में हम दरभंगा भी आये थे। यहॉ का प्रमण्डलीय कार्यक्रम कहीं अन्य स्थान पर होना था किंतु बारिश होने के कारण इसी हॉल में 4 मई को 2016 को आयोजित हुआ, जहॉ आने का मौका मिला था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब हमलोग शराबबंदी से आगे नशामुक्ति की ओर जा रहे हैं। हम बराबर कहते हैं कि आप सचेत रहिये और इस बात पर नजर रखिये कि कहीं शराब छोड़कर कोई दूसरे मादक पदार्थों का सेवन तो नहीं कर रहा है। हम इसके लिये लोगों को बराबर सचेत करते रहते हैं। शराबबंदी से नशामुक्ति की ओर जाने के लिये व्यापक अभियान चला। 21 जनवरी को मानव श्रृंखला से इसकी शुरूआत हुयी। सोचा था कि दो करोड़ लोग भाग लेंगे किंतु चार करोड़ से भी ज्यादा लोगों ने अपनी भागीदारी दर्ज की। दरभंगा में भी जबर्दस्त भागीदारी हुयी और इसके लिये मैं दरभंगवासियों को बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि चंद लोग भले गड़बड़ करें किंतु अंततः वे पकड़े जायेंगे। हम जानते हैं कि इधर–उधर में भी सरकारी तंत्र का हाथ रहता है। ऐसे लोग पकड़े जा रहे हैं। कल ही पता चला कि बक्सर में कोई सरकारी मुलाजिम शराब को इधर से उधर कराता था। कल पकड़ा गया और जेल भेजा गया। सरकार अपना काम कर रही है किंतु इतना बड़ा काम अकेले सरकारी तंत्र से नहीं होगा और इसके लिये जन भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि चैन से मत बैठिये। कुछ लोग मजाक उड़ाते हैं कि दुनिया में शराबबंदी सफल नहीं हुयी, यहॉ कैसे होगी। इसका जवाब यह है कि यही तो मिथिला एवं बिहार की खासियत है कि जो कहीं नहीं हो सकता, वह यहॉ संभव हो सकता है। बाहर से आने वाले लोगों को बताइये कि उतर प्रदेश में भी लागू कर दीजिये। उन्होंने कहा कि लोग कहते थे कि बिहार में शराबबंदी से पर्यटकों की संख्या में कमी हो जायेगी। उन्होंने कहा कि केरल में लोगों ने मुझे शराबबंदी के कार्यक्रम में मुझे बुलाया था तो वहॉ मैंने बताया कि बिहार में शराबबंदी के बाद देशी पर्यटकों की संख्या 2015 की तुलना में 2016 में 69 प्रतिशत वृद्धि हुयी है और विदेशी पर्यटकों की संख्या में 9 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है। उन्होंने कहा कि सभी मजहब शराबबंदी के पक्ष में हैं। यह समाज में सद्भाव का प्रतीक है। शराबबंदी से सभी की भावना का सम्मान हुआ है। उन्होंने कहा कि सद्भाव एवं शांति का माहौल रहेगा तो हमें कोई आगे बढ़ने से रोक नहीं सकता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत लोग गो रक्षा दल बनाये हुये हैं। उन्होंने कहा कि हम तो गाय पालते हैं। उन्होंने गो रक्षा दल बनाने वालों से प्रश्नवाचक लहजे में पूछा कि सड़क पर लावारिस पशु घूमते हैं, उसकी देखभाल वे क्यों नहीं करते। उन्होंने कहा कि बिहार से ज्यादा उतर प्रदेश एवं झारखण्ड की सड़कों पर पशु घूमते रहते हैं। प्लास्टिक खाकर हजारों पशुओं की मृत्यु हो रही है। हमने तो मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि पटना में घूमने वाले पशुओं को गौशाला में रखकर उसकी देखभाल की जाय। उन्होंने कहा कि यदि शराबबंदी बिहार में सफल हो सकता है तो उतर प्रदेश, झारखण्ड, छतीसगढ़ एवं पश्चिम बंगाल में क्यों नहीं सफल हो सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री प्रकाश पर्व के अवसर पर पटना आये थे

और उन्होंने शराबबंदी को साहसिक कदम कहा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि कम से कम जितने भाजपा शासित राज्य हैं, वहॉ तत्काल शराबबंदी लागू कर देना चाहिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब हमलोग सामाजिक सुधार में एक कदम और आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के विरूद्ध सशक्त अभियान चलेगा। चम्पारण सत्याग्रह के अवसर पर पूरे एक वर्ष के लिये गॉधी जी के विचारों को जन–जन तक पहुॅचाया जा रहा है। गॉधी जी के जन्मदिन 2 अक्टूबर से बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफ सशक्त अभियान चलेगा। यह एक सामाजिक कुरीति है जो समाज को विनष्ट कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में नाटेपन एवं स्टंटिंग की समस्या की बढ़ रही है। दुनिया में ऊॅचे कद के बच्चे हो रहे हैं, जबकि हमारे यहॉ नाटेपन की शिकायत हो रही है। उन्होंने कहा कि इसका एक कारण बाल विवाह भी है। उन्होंने कहा कि जीविका समूह की महिलायें बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के विरूद्ध लोगों को सचेत करें। उन्होंने कहा कि दहेज प्रथा समाज के कमजोर तबकों के बीच में भी बीमारी की तरह फैल रही है। उन्होंने कहा कि हम विकास की योजनाओं के साथ–साथ सात निश्चय की योजनाओं पर अमल करते हैं और कुरीतियों से भी लड़ते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश में आनुपातिक दृष्टि से बिहार में युवाओं की संख्या सर्वाधिक है, वह हमारे लिये संपति हैं। अगर युवा आगे बढ़ेंगे तो देश की तरक्की में अहम योगदान देंगे। सात निश्चय अन्तर्गत युवाओं के लिये आर्थिक हल, युवाओं का बल निश्चय लागू किया गया है। उनके लिये स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता भता, रोजगार की तलाश करने वालों को कम्प्यूटर ज्ञान, भाषा और व्यवहार कौशल का ज्ञान उपलब्ध कराया जा रहा है। आज इंटरनेट की दुनिया है, सभी सरकारी महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में मुफ्त वाई–फाई की सुविधा दी जा रही है। युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिये पॉच सौ करोड़ रूपये का वेंचर फंड बनाया गया है। इसके अलावे उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को बाहर नहीं जाना पड़े, इसके लिये हर जिला में इंजीनियरिंग कॉलेज, महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज, जी0एन0एम0 कॉलेज, पारा मेडिकल कॉलेज, सभी अनुमण्डलों में आई0टी0आई0 और ए0एन0एम0 कॉलेज, पॉच नये मेडिकल कॉलेज, सभी मेडिकल कॉलेजों में नर्सिंग कॉलेज आदि खोले जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में व्यापक कार्य किये गये हैं। बिहार पहला राज्य है, जहॉ पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकाय चुनावों में महिलाओं को पचास प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि आपके यहॉ बाहर से जो प्रवचन के लिये आते हैं तो उनसे कहिये कि पहले अपने यहॉ पचास प्रतिशत आरक्षण का लाभ महिलाओं को दें। उन्होंने कहा कि राज्य की सभी सरकारी सेवाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हम सात निश्चय की सभी योजनाओं को चार साल में क्रियान्वित करना चाहते हैं ताकि बिहार का विकास हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की जटिल समस्या पर केन्द्र को ध्यान देना चाहिये और अपने किये हुये वादे को निभाना चाहिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब पटना में तारामण्डल बन रहा था तो उसी समय कहा गया था कि दरभंगा और गया में भी तारामण्डल बनाया जायेगा, इससे संबंधित सभी प्रक्रियायें पूरी हो चुकी है। जल्द ही काम शुरू होगा ताकि तारामण्डल बनने से बच्चों के बीच वैज्ञानिक सोच विकसित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शराबबंदी और नशामुक्ति को लागू करने में भरपूर सहयोग मिला है। अब दहेज प्रथा एवं बाल विवाह के विरूद्ध आपका पूर्ण सहयोग चाहिये, इसके लिये व्यापक जन–जागरूकता अभियान चलेगा। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि जिस शादी में दहेज का लेन–देना हुआ हो, उस शादी में मत जाइये।

इसके पूर्व जिला प्रशासन द्वारा पाग, चादर एवं पुष्प–गुच्छ भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का फूलों का बड़ा माला पहनाकर स्वागत किया। युवा जदयू के कार्यकर्ताओं द्वारा मुख्यमंत्री को मिथिला पेंटिंग भेंट की गयी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को प्रतीक चिह्न भी भेंट किया गया।

समारोह को वित मंत्री श्री अब्दुलबारी सिद्दीकी, नगर विकास एवं आवास मंत्री सह प्रभारी मंत्री दरभंगा श्री महेश्वर हजारी, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ0 मदन मोहन झा तथा खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री मदन सहनी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जल संसाधन तथा योजना एवं विकास मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, विधायक श्री भोला यादव, विधायक श्री शशि भूषण हजारी, विधायक श्री अमरनाथ गामी, विधायक श्री ललित कुमार यादव, विधान पार्षद श्री दिलीप चौधरी, जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती गीता देवी, नगर निगम की नवनिर्वाचित महापौर श्रीमती वैजयंती खेरिया, जिला जदयू अध्यक्ष श्री सुनील भारती, कॉग्रेस जिलाध्यक्ष श्री सीताराम चौधरी, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, दरभंगा प्रमण्डल के आयुक्त श्री आर0के0 खंडेलवाल, दरभंगा प्रक्षेत्र के आई0जी0 श्री उमाशंकर सुधांशु, पुलिस उप महानिरीक्षक श्री बिनोद कुमार, जिलाधिकारी दरभंगा श्री चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री सत्यवीर सिंह सहित अन्य जन प्रतिनिधिगण, गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में महिलायें उपस्थित थी।

****